अहोबलिम तीर्थ पर जाने वाले तीर्थयात्रियों पर प्रतबिंध

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में नागारजुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रज़िर्व के भीतर स्थति **अहोबलिम मंदरि** परसिर में आगंतुकों पर कई प्रतबिंध लगाए गए हैं।

- चीथल बेस कैंप में प्लास्टकि उत्पादों पर प्रतबिंध, संभावति मानव-पशु संघर्ष के कारण रातभर रुकने एवं मंदरि में पशुबलि पर प्रतबिंध शामलि हैं, ये सभी उपाय अत्यधकि गर्मी की प्रतक्रियिा तथा वन्यजीवों के संरक्षण के लयि उठाए गए हैं।
    - इसके नकिटवर्ती नल्लामाला वन क्षेत्र में **रेड सैंडर्स**, तेंदुओं एवं हरिणों तथा बाघ आदि निवास करते हैं।
- वन, पर्यावरण और जलवायु परविर्तन मंत्रालय द्वारा वन्य जीवन संरक्षण अधनियिम, 1972 के प्रावधानों के अनुसार गठति **अहोबलिम राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण (NTCA)** इस क्षेत्र के लयि वशिष्टि दुर्लभ वनस्पतयिों एवं जीवों की देखरेख व संरक्षण करता है।
    - अहोबलिम मंदरि परसिर में नल्लामाला वन के भीतर स्थति **भगवान नरसम्हिा के 9 मंदरि** हैं। नौ तीर्थस्थलों के अतरिकि्त पहाड़ की तलहटी में **प्रह्लाद वरदा वरधन** का एक मंदरि भी शामलि है।

और पढ़ें... नागारजुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रज़िर्व

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/restrictions-on-pilgrims-visiting-ahobilam-shrine